(c) the nature of business deals entered into or negotiated?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. A. SANGMA): (a) to (c) An 8 member Chinese delegation led by their Minister for Metallurgical Industry visited India from 5th August, 1985 to 17th August, 1985. The purpose of the visit of the delegation was to visit various iron ore, chrome ore and Mangnese ore mines loading ports and steel mills for exploring the possibilities of import of these minerals. During meetings with the delegation it was emphasised that China should enter into long term aggrangements for imort of various minerals like iron ore, chrome ore etc. from India to ensure balanced growth of bilateral trade. Though no specific business was finalised during the visit of the delegation, the visit should go a long way in boosting India-China trade in minerals in the years to come.

Sixth open-house discussion with trade representatives

2360. SHRI DHULESHWAR MEENA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether he met representatives of trade, industry, Export Promotion Councils and other agencies at the Sixth Open-house discussion held on the 10th August, 1985;

(b) if so, what is the outcome of these discussions; and

(c) the follow-up action; if any taken or proposed to be taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. A. SANGMA): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Decisions on some of the problems highlighted by the trade and industry were announced.

2361. [*Transferred to the 22nd August, 1985.*]

अनिवासी भारतीयों द्वारा भारतीय कम्पनियों के शेयरों का खरीदा जाना

2362 श्री शंकर सिंह वाघेला :
श्री अश्विनी कुमार :
श्री कैलाश पति मिश्र :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ अनिवासी भारतीय विशेषकर सिंगापुर, थाईलैण्ड, इंग्लैण्ड, कनाडा व खाड़ी के देशों के 'नौ के गुट' ने कई भारतीय कंपनियों में अपने पांव जमा लिये है और और यह विशेष गुट कम से कम छः कम्पनियों में 10 प्रतिशत से अधिक शेयर खरीदने में सफल हो गया है ; यदि हां, तो इस 'नौ के गुट' के सदस्यों तथा उन छः कम्पनियों के नाम क्या है जिनके उस गुट द्वारा भारी मात्रा में शेयर खरीद लिये गय है और उनमें से प्रत्येक ने ऐसी कम्पनी के कितने प्रतिशत शेयर खरीदे हैं ; और

(ख) क्या गलधारी ब्रदर्स ने भी इन कम्पनियों के शेयर खरीदे है ; यदि हा, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) और (ख) भारतीय रिजर्व बैंक और भारत सरकार को 'नौ के गुट' के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस प्रश्न में उल्लिखित छः कम्पनियां कौन सी हैं, इसके संबंध में भी कोई जानकारी नहीं हैं। अग्रेतर सूचना एकत्र की जा रही है।

Memoranda alleging bank fraud by progressive company of Hyderabad

2363. DR. SHANTI G. PATEL: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether memoranda signed by Members of Parliament belonging to various parties have been submitted to the Prime Minister and Finance Minister, alleging bank fraud and grave irregularities against progressive Company of Hyderabad and its associate companies; and

(b) if so, what action has been taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) and (b) Government have received a letter dated May, 20. 1985 signed by some Members of Parliament regarding M|s Progressive Construction Pvt. Ltd. and its associate Companies. The matter is being looked into by the Reserve Bank of India.

लक्ष्मी कमर्शियल बैंक की परिसंपत्तियां

2364. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :**
श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने लक्ष्मी कमर्शियल बैंक का प्रबन्ध ग्रहण कर लिया हैं ; यदि हां, तो उनके क्या कारण है ;

(ख) उस बैंक की कुल कितनी शाखायें थी ; और

(ग) प्रबन्ध ग्रहण के समय बैंक की कुल कितनी परिसम्पत्ति थी ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) सरकार ने लक्ष्मी कमर्शियल बैंक लि०, नई दिल्ली का अधिग्रहण नहीं किया है । अलबत्ता, इस बैंक को केनरा बैंक के साथ मिलाए जाने का निर्णय लिया गया है।

(ख) दिनांक 28 फरवरी, 1985 को लक्ष्मी कमर्शियल बैंक लि० की 223 शाखाएं थी ।

(ग) चूंकि बैंक का अधिग्रहण नही किया गया है, अतः यह सवाल पैदा ही नही होता ।

लक्ष्मी कमर्शियल बैंक के अध्यक्ष की बैंक आफ बड़ौदा के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति

2365. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :**
श्री बी० सत्य नारायण रेड्डी :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लक्ष्मी कमर्शियल बैंक के अध्यक्ष को बैंक आफ बड़ौदा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है; यदि हां, तो लक्ष्मी कमर्शियल बैंक में करोड़ों रुपयों का घोटाला होने के पश्चात् उन्हें पदोन्नत किये जाने के क्या कारण हैं; और

(ख) बैंक ऑफ बड़ौदा की कुल परिसम्पत्ति कितनी है, और इसकी शाखायें कितनी है तथा लक्ष्मी कमर्शियल बैंक की कुल कितनी परिसम्पत्ति थी और उसकी शाखायें कितनी थीं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) श्री प्रेमजीत सिंह उस समय सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक थे जब उन्हें उनके सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के कार्य पालक निदेशक के पद का लियन समाप्त किए बिना दिनांक 6 अगस्त, 1984 मे लक्ष्मी कमर्शियल बैंक लि० का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्हें दिनांक 29 अप्रैल 1985 मे बैंक ऑफ बड़ौदा का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया था ।

सरकार ने लक्ष्मी कमर्शियल बैंक लि० के नाम स्थगनादेश जारी किया है और सरकार/भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस बैंक को केनरा बैंक के साथ मिलाए जाने के प्रस्ताव पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा हैं । वित्तीय कुप्रबन्ध के आरोपों का मूल्यान्कन वर्तमान प्रक्रिया के समाप्त होने के बाद ही किया जा सकता है ।

(ख) दिनांक 31 दिस्तम्बर, 1984 को बैंक आफ बड़ौदा की कुल परि-सम्पत्तिया, उभयपक्षी मदों को छोड़कर 6051.40 करोड़ रुपए की थीं और दिनांक 28 फरवरी, 1985 को इसकी शाखाओं की संख्या 1811 थी । दिनांक